मुंबई की मेट्रो-3 होगी एक्वा लाइन

■ **विसं, मुंबई :** मुंबई में कुलाबा से बांद्रा से सीप्ज तक चलने वाली मेट्रो-तीन का नाम एक्वा लाइन होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। वहीं मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'एक्वा लाइन' के कोच की प्रतिकृति का अनावरण किया।

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की मैनेजिंग डायरेक्टर अश्विनी भिडे ने मुख्यमंत्री को 'एक्वा लाइन' के कोच की प्रतिकृति दी। यह कोच 'मेक इन इंडिया' अंतर्गत आंध्रप्रदेश में बनाए गए हैं। इनकी निर्माण अलस्टोम इंडिया' और 'अलस्टोम' एसए कंपनियों ने किया है। कंपनी 8 कोच वाली ऐसी 31 ट्रेनें बना रही है।

बिना ड्राइवर की ट्रेन

जानकारी में बताया गया है कि मेट्रो-तीन यानी 'एक्वा लाइन' ट्रेन को ऑटोमैटिक यानी बिना ड्राइवर के चलने वाली बनाने की योजना है। पूरी ट्रेन एसी होगी। ट्रेन के हर कोच में भीतर एलसीडी स्क्रीन डिजिटल मैप, इंडिकेटर, आग बुझाने वाले यंत्र, धुआं उठते ही सायरन बजाने वाले स्मोक डिटेक्टर और आपातकालीन स्थितियों में यात्रियों को दिशानिर्देश देने के लिए वाइस कम्युनिकेटर से सज्ज होगी।

दिव्यांगों के लिए व्यवस्था

जानकारी के मुताबिक शारीरिक रूप से अक्षम और दिव्यांग यात्रियों के लिए एक्वा लाइन ट्रेन में विशेष रूप से तैयार वीलचेयर भी ट्रेन में होंगी।

मुंबई की पहचान

एक्वा लाइन को एक्वा कलर एक सोची समझी योजना ते तहत दिया गया है, ताकि यह ट्रेन मुंबई के मिजाज की पहचान से मेल खा सके। मुंबई अरब सागर के किनारे बसी है, इसलिए इसे एक्वा ग्रीन रंग दिया गया है। अलावा इसके 'मुंबई कभी नहीं सोती' और मुंबई की रफ्तार को प्रतिबिंबित करने की कोशिश भी की गई है।

मुंबई मेट्रो-3	कुल दूरी	कुल स्टेशन	भूमिगत स्टेशन	कुल अनुमानित लागत
	33.5 किलो मीटर	27	26	30 हजार करोड़ रुपये